

प्रेषक,

सुनीलश्री पांथरी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून: दिनांक 31 दिसम्बर, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद अल्मोड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ताड़ीखेत के उच्चीकरण के प्राक्कलन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति। महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-75/1/उच्चीकरण/39/2008/35148 दिनांक 12.11.08 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद अल्मोड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ताड़ीखेत के उच्चीकरण के प्राक्कलन रु0 468.64 लाख की टी0ए0सी0 के परीक्षणोपरान्त संस्तुत लागत रु0 435.21 लाख (रु0 चार करोड़ पैतीस लाख इक्कीस हजार मात्र) की प्राशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति तथा योजना के क्रियान्वयन हेतु रु0 175.00 लाख (रु0 एक करोड़ पचहत्तर लाख मात्र) की धनराशि व्यय करने हेतु श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.08 द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- 2- एकनुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।
- 3- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर किया जायेगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रखा जायेगा। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा तथा कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4- उक्त धनराशि कोषागार से तत्काल आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई अपर परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निर्माण निगम, अल्मोड़ा को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य प्रारम्भ से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा।
- 5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराई जायेगी।
- 6- स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

- 7- धनराशि उन्ही मदों पर व्यय की जाय जिसके लिये स्वीकृत की जा रही है।
 - 8- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
 - 9- अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय 31.03.09 से पूर्व सुनिश्चित कर इसका वित्तीय भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
 - 10- उक्त व्यय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय, 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें, 104-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 03-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना 02-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण (विस्तार अंश) 24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 2- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-522 (P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008 दिनांक 30.12.08 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव

संख्या- 1522(1)/XXVIII-5-2008-111/2008 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा0 मंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
3. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, अल्मोड़ा।
5. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, अल्मोड़ा।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, अल्मोड़ा / 22.12.08
8. परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निर्माण निगम, अल्मोड़ा।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0अई0सी0।
11. गार्ड फाईल।

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव